D.Ed IInd year

Sub - COGNITION LEARNING AND THE SOCIO-CULTURAL CONTEXT

Q-1) व्यवहारवाद से क्या अभिप्राय है? व्यवहार कितने प्रकार का होता है? व्यवहारवाद के मूल तत्वों का वर्णन कीजिए।

Q-2. सक्रिय अनुबन्धन का सिद्धांत क्या है। उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए तथा इसका वैज्ञानिक महत्व बताइए।

Q-3. निर्मितिवाद के सिद्धांत का वर्णन कीजिए। तथा इसकी विशेषताएँ बताइए

Q-4. पियाजे के संज्ञानात्मक सिद्धांत से आपका क्या अभिप्राय है? पियाजे के संज्ञानात्मक सिद्धांत की विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन करते हुए इस सिद्धांत के शैक्षिक महत्व की विवेचना कीजिए।

Q-5. बालकों में संवेदना, प्रत्यक्षीकरण, बोध शक्ति, तर्क शक्ति ध्यान कल्पना तथा स्मरण शक्ति का विकास कैसे होता है। विस्तारपूर्वक विवेचना कीजिए।

Q-6. जीन आफ प्रोक्सिमल विकास क्या है? वर्णन कीजिए।

Q-7. सूचना प्रोसेसिंग प्रणाली की संरचना का वर्णन कीजिए।

Q-8. विकास में यंत्रों और चिह्नों से क्या अभिप्राय, विस्तार से वर्णन कीजिए।

Q-9. खेल का अर्थ बताइए। खेल की विशेषताओं का वर्णन कीजिए

Q-10. बाल-विकास के विभिन्न पक्षों में खेलकूद की भूमिका स्पष्ट करें।

Q(11.) क्रास कल्चरल विभिन्नताओं से क्या अभिप्राय है। बच्चों के खेलों को अन्तर किस प्रकार प्रभावित करते हैं।

Q-12. छोटे बच्चे संप्रेषण कैसे करते हैं? छोटे बच्चों के संप्रेषण के सिद्धांतो पर प्रकाश डालें?

Q-13. भाषा का विकास किन अवस्थाओं से गुजरता है वर्णन करे!

Q-14. बन्डूरा का सामाजिक अधिगम सिद्धान्त क्या है। वर्णन करे।

Q-15 श्रवण कौशल से क्या अभिप्राय है। श्रवण कौशल का महत्व तथा इसके आवश्यक तत्वों का वर्णन किजिए।

Q-16. आत्म से आप क्या समझते है। आत्म की प्रकृति स्पष्ट करे। यह अहंम से किस प्रकार भिन्न है वर्णन करे।

Q-17. आन्तरीकरण का सम्प्रत्यय स्पष्ट करें।

Q-18. कोलबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धात का वर्णन करें।

Q-19. सामाजिक तुलना से क्या अभिप्राय: है। समाजिक विकास के सिद्धांत का वर्णन किजिए।